राजस्थान पत्रिका
28/8/15

शिविर में की भेड़ों की जांच

मालपुरा @ पत्रिका. केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर के तकनीकी स्थानांतरण एवं सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा सांसद ग्राम कांटोली में भेड़ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान निदेशक डॉ. एस. एम. के. नकवी ने बताया कि भेड़ पालकों को 'अपनी तकनीकी एवं स्थानान्तरण' के लिए चुना गया है। इसमें भेड़ों में उत्पादन क्षमता बढ़ाना, रूग्ण एवं मृत्युदर कम करना, ऊन व चारा उत्पादन बढ़ाना शामिल हैं।

दैनिक भास्कर
28/8/15

केंद्रीय भेड़ ऊन अनुसंधान संस्थान ने कांटोली गांव को लिया गोद

ऊन का उत्पादन बढ़ाने के अलावा चारा उत्पादन बढ़ाने व अनेक विस्तार कार्य प्रभावी तरीके से किए जाएंगे

मालपुरा. केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर ने कांटोली गांव को भेड़ विकास के लिए गोद लिया है। भेड़ों का उपचार करते वैज्ञानिक चिकित्सक

मालपुरा। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर ने सांसद आदर्श ग्राम चयनित कांटोली ग्राम पंचायत को गोद लेकर यहां भेड़ विकास कर पशुपालकों के आर्थिक विकास की योजनाएं शुरू की हैं। गोद लेने की घोषणा के साथ ही कांटोली में भेड़ चिकित्सा शिविर लगाया गया।

इसमें बड़ी संख्या में भेड़ पालक अपनी भेड़ें लेकर आए। प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. रमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि अविकानगर के तकनीकी स्थानांतरण एवं सामाजिक विज्ञान विभाग ने सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत किए गोद के चयन के साथ साथ अविकानगर में भी इसे गोद ले लिया। इस गांव में भेड़ पालकों को नवीन तकनीकी ज्ञान देने के साथ साथ भेड़ों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने व रुग्ण एवं मृत्यु दर कम करने के लिए कार्य किया जाएगा। ऊन का उत्पादन बढ़ाने के अलावा चारा उत्पादन बढ़ाने व अनेक विस्तार कार्य प्रभावी तरीके से किए जाएंगे। योजना के तहत कांटोली के ग्राम सीमारामपुरा में लगाए भेड़ स्वास्थ्य शिविर में साढे पांच सौ भेड़ों का उपचार किया गया। शिविर में गंभीर रोगी 55 भेड़ बकरियों का निशुल्क उपचार किया गया। इस क्षेत्र में भेड़ों में मुख्य रूप से दस्त, खुर गलन व श्वसन संबंधी तथा कमजोरी, मिट्टी खाने की बीमारियां पाई गईं। इस अवसर पर डॉ. राजकुमार व डॉ. एलआर गुर्जर ने भी पशुपालकों को आवश्यक जानकारी प्रदान की।